

डॉ. डेविड श्राइनर, पॉन्डरिंग द स्पेड, सत्र 2, मारी और गिलगमेश महाकाव्य, दो व्यापक अभिसरण

© 2024 डेविड श्राइनर और टेड हिल्डेब्रांट

यह डेविड बी. श्राइनर पॉन्डरिंग द स्पेड पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 2 है, मारी और गिलगमेश महाकाव्य, दो व्यापक अभिसरण।

आपका स्वागत है, यह हमारे चार में से दूसरा व्याख्यान है और मैंने आपको विलियम डेवर और उनके अभिसरण के विचार के बारे में एक त्वरित चर्चा के साथ छोड़ दिया है और हम उस विचार का उपयोग कैसे करेंगे और उस विचार को विकसित करेंगे और संकीर्ण अभिसरण और व्यापक अभिसरण के बारे में बात करेंगे। इस व्याख्यान और पॉन्डरिंग द स्पेड पर विलियम डेवर के शिक्षण के अगले व्याख्यान को लेकर चिढ़ना शुरू हो गया है।

यह प्रतिच्छेदन, पुरातत्व और पुराने नियम के बीच यह अभिसरण वास्तव में कैसा दिखता है? इस व्याख्यान में, मैं कुछ व्यापक अभिसरणों के बारे में बात करना चाहता हूँ, और उम्मीद है, इस व्याख्यान के अंत तक, आप समझ जाएंगे कि जब मैं व्यापक अभिसरण के बारे में बात करता हूँ तो मैं किस बारे में बात कर रहा हूँ। फिर, यह आवश्यक रूप से संपर्क का प्रत्यक्ष बिंदु नहीं है, बल्कि यह विश्वदृष्टि और सामाजिक संरचना के मुद्दों पर प्रकाश डालता है; यह अप्रत्यक्ष रूप से बाइबिल की सामग्री को स्पष्ट करता है। और इसलिए, मैं मारी, एक विशिष्ट स्थान के बारे में बात करना चाहता हूँ, ऐसे कारणों से जो बहुत, बहुत स्पष्ट हो जाएंगे, और फिर मैं एक पाठ, गिलगमेश महाकाव्य के बारे में भी बात करना चाहता हूँ।

और ये पुरातात्विक अनुसंधान के दो बहुत ही महत्वपूर्ण परिणाम हैं और ये वास्तव में बहुत लंबे समय से मौजूद हैं। दुर्भाग्य से, हाल की यादों में, आईएसआईएस के मुद्दों और सीरियाई सरकार के अंदर उथल-पुथल के कारण मारी में सामान को पीछे छोड़ना पड़ा है। लेकिन मुझे यकीन है क्योंकि यह मूल रूप से 20वीं सदी की शुरुआत से चल रहा है, मुझे यकीन है कि यह किसी बिंदु पर फिर से शुरू हो जाएगा।

यह एक रास्ता है, इसे जाने देना बहुत ही महत्वपूर्ण है। इसलिए, मुझे विश्वास है कि मारी वापस आ जाएगी। इसलिए, मैं अक्सर अपने छात्रों से पूछता हूँ, और मैं किसी भी अन्य चीज से ज्यादा कमरे को आकर्षक बनाने के लिए ऐसा करता हूँ, लेकिन मैं अक्सर अपने छात्रों से पूछता हूँ, क्या आप जानते हैं, पुरातत्व की प्रकृति क्या है? और मुझे विभिन्न प्रकार की प्रतिक्रियाएँ मिलती हैं।

मेरे पास ऐसे लोग होंगे जो बाइबिल को सच साबित करने के लिए, आह, जैसी बातें कहेंगे। और मेरे पास कुछ ऐसे लोग होंगे जो थोड़ा विरोधाभासी होंगे और कहेंगे, ओह, बाइबिल का खंडन करने के लिए। किसी मूल्यवान चीज़ को खोजने के लिए, हम किसी ऐसी चीज़ की तलाश कर रहे हैं जो वास्तव में मूल्यवान हो जिसे हम किसी संग्रहालय को बेच सकें।

अक्सर, ये लोग नेशनल ट्रेजर, इंडियाना जोन्स और द रेडर्स ऑफ द लॉस्ट आर्क जैसी फिल्मों से प्रभावित हुए हैं और यह ठीक है। लेकिन मैं अक्सर इस बातचीत को इस चर्चा के साथ समाप्त करता हूँ कि पुरातत्व वास्तव में क्या है। और यह मज़ेदार है, यह मज़ेदार है, मुझे इससे एक तरह का मज़ा मिलता है।

मैं बस उनका आचरण देखता हूँ और उनके चेहरे बिल्कुल बदल जाते हैं। विशेष रूप से जब मैं उन्हें बताता हूँ कि पुरातत्व वास्तव में एकरसता है, शायद एक महत्वपूर्ण खोज से विरामित है। आप दिन-ब-दिन वही काम करते रहेंगे।

और यदि आप भाग्यशाली हैं, तो आपको कुछ ऐसा मिलेगा जो वास्तव में, वास्तव में महत्वपूर्ण होगा। लेकिन आप उस पर भरोसा नहीं कर सकते। आप बहुत सारी गंदगी को घूरने वाले हैं।

मेरा मतलब है, मुझे याद है जब मैं तेल रेहोव में था, वहां गंदगी खोदी जा रही थी, बाल्टियों में गंदगी डाली जा रही थी और बाल्टी से गंदगी को छेद से बाहर निकाला जा रहा था। और हम एक फर्श को साफ़ करेंगे, और हम वहां बैठेंगे, और हम कहेंगे, ठीक है, आप क्या सोचते हैं? और हम इसे देखेंगे, ठीक है? और यह गंदगी थी! हाँ, यह गंदगी है, लेकिन क्या यह महत्वपूर्ण गंदगी है? मुझे नहीं पता! और फिर हम शिफ्ट हो जाएंगे, और हम एक बड़ी दीवार को देखेंगे। और हम कहेंगे, ठीक है, उस बड़ी दीवार को साफ़ करो।

और हम वस्तुतः गंदगी को साफ़ करने के लिए ब्रश का सहारा लेंगे। लेकिन आपको यही करना है। और हम एक विशाल दीवार को घूरेंगे और कहेंगे, ओह, ठीक है, इसे देखो।

ओह, राख का निशान, ठीक है, ठीक है। ओह, यहीं एक मंजिल है। और इसलिए, यह गंदगी को घूरने जैसा है।

आप गंदगी को देखते हैं और यह पता लगाने की कोशिश करते हैं कि क्या यह गंदगी महत्वपूर्ण है। हालाँकि, इसका लाभ तब तक नहीं मिलता जब तक पुरातत्ववेत्ता अपने कार्यालयों में डटे नहीं रहते। इस तथ्य के वर्षों बाद, वे अपना सारा डेटा जमा करना शुरू कर देते हैं।

पुरातत्व वास्तव में आंकड़ों का संकलन है। डेटा, डेटा, डेटा। इसे प्लॉट करें, इसे लॉग करें, इसे डेटाबेस में डालें और हम इस पर वापस आएँगे।

पुरातत्व यही है। दिन के अंत में, जब हर कोई खुदाई कर लेता है, तो वे अपने कार्यालयों में वापस जाते हैं और सब कुछ एक साथ रखना शुरू करते हैं।

तो, आपको समर्पित होना होगा। आपको अपना दिमाग दीर्घकालिक लक्ष्यों पर केंद्रित रखना होगा। यदि आप चाहें तो अंतिम खेल।

अगर आप धैर्यवान हैं। यदि आप पर्याप्त धैर्यवान हैं और आप इस चीज़ को समझते हैं, तो संभावना है कि आप कुछ महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्राप्त करने जा रहे हैं। और यदि आप भाग्यशाली हैं, तो आप प्राचीन इज़राइली समाज के प्रति लोगों के दृष्टिकोण को बदल देंगे।

वे लोगों के बाइबल पढ़ने और धर्मग्रंथ को समझने के तरीके को बदलने जा रहे हैं। और यहाँ उसका एक उदाहरण है। और इसका एक उदाहरण वास्तव में आज आधुनिक इज़राइल में कहीं भी नहीं है।

यह सीरिया नाम की जगह पर है। और वह मारी का प्राचीन स्थल है। और मारी इस बात का एक बड़ा उदाहरण है कि कैसे धैर्य, साल-दर-साल खुदाई करना, डेटा को चार्ट करना, डेटा लॉग करना, अंततः डेटा प्रकाशित करना, पवित्रशास्त्र के बारे में चीजों को समझने के हमारे तरीके को बदल देगा।

तो, सबसे पहले मैं इस व्याख्यान में यही पाना चाहता हूँ। मैं मारी, प्राचीन मारी नामक स्थान को देखना चाहता हूँ।

और इस मानचित्र पर, यह वह जगह है जहाँ मारी अनिवार्य रूप से है। ध्यान दें कि यह सीरियाई सीमा के ठीक अंदर है। यह एक घाटी में स्थित है जो प्राचीन व्यापार मार्गों को जोड़ती है।

वास्तव में ऐसे लोग हैं जो प्राचीन व्यापार मार्गों की साजिश रचने में माहिर हैं। और यह बहुत, बहुत आकर्षक है। डोर्सी नाम के एक व्यक्ति ने वास्तव में उस समय एक बहुत ही महत्वपूर्ण पुस्तक प्रकाशित की थी।

उन्होंने इज़राइल में प्राचीन राजमार्ग प्रणालियों के बारे में बात की, जहाँ से वे आए थे और वे किस घाटी में गए थे, आदि। इसलिए, प्राचीन राजमार्ग प्रणालियां बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यही वह जगह है जहाँ व्यापार होता था। तो, प्राचीन मारी एक घाटी में है जो जोड़ती है।

यहाँ पर मेसोपोटामिया है। यहाँ से नीचे वह स्थान है जहाँ प्राचीन इज़राइल है। तो, आप इस स्थान की गंभीरता को देख सकते हैं।

यह फ़रात नदी के बहुत करीब है। और इस बात के सबूत हैं कि यह स्थान वास्तव में मानव निर्मित चैनलों द्वारा यूफ्रेट्स नदी से जुड़ा था। तो, बहुत परिष्कृत वास्तुशिल्प सुविधाएँ, बुनियादी ढाँचा, आदि।

और यही इस साइट के रणनीतिक महत्व को बढ़ावा दे रहा है। इसका एक इतिहास है, प्राचीन मारी के कब्जे का एक इतिहास है जिसे तीन शहरों की कहानी में संक्षेपित किया जा सकता है। और वह पहला शहर तीसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व की शुरुआत में, लगभग 2000 ईसा पूर्व का है।

यह एक पुराना, पुराना शहर है जिसका व्यवसाय का बहुत लंबा और समृद्ध इतिहास है। शहर 1 के बाद शहर 2 आया, जिसके बाद शहर 3 आया। शहर 2 शायद तीनों शहरों में सबसे अच्छी तरह से प्रलेखित है। यह संभवतः तीनों शहरों में सबसे परिष्कृत था।

हम इसे मुख्यतः केंद्रीय महल प्रणाली के विकास से जानते हैं। इसलिए, उत्खननकर्ताओं ने केंद्रीय महल प्रणाली पर ध्यान केंद्रित किया है। और वे विकास के चरणों की पहचान कर सकते हैं।

और शहर 2 के साथ विकास का एक बहुत ही महत्वपूर्ण और विशाल चरण जुड़ा हुआ है। इसलिए शहर 2 बहुत अच्छी तरह से प्रलेखित है। हालाँकि, शायद हमारी चर्चा के लिए सबसे महत्वपूर्ण शहर सिटी 3 है। सिटी 3 और ज़िमरी-लिम नाम का एक व्यक्ति। ज़िमरी-लिम एक एमोराइट शासक था, जो प्राचीन मारी का एक एमोराइट राजा था।

वह प्राचीन मारी के अंतिम एमोराइट राजाओं में से एक थे। उन्होंने एक बहुत ही महत्वपूर्ण पाठ्य सामग्री संग्रह छोड़ दिया, एक पाठ्य दस्तावेज जिसमें बताया गया कि मारी ने दिन-प्रतिदिन के आधार पर अपना व्यवसाय कैसे किया। शहर 3 को अंततः बर्खास्त कर दिया गया और जला दिया गया।

और ज़िमरी-लिम वहाँ यह सब घटित और प्रकट होता देख रहा है। तो, ज़िमरी-लिम के बीच पत्राचार वह है जिस पर हम ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं। कारण कुछ ही मिनटों में स्पष्ट हो जायेंगे।

इसलिए, इसे अंततः हम्मुराबी द्वारा बर्खास्त कर दिया गया क्योंकि उसने मेसोपोटामिया के माध्यम से अपना रास्ता बनाया और अंततः बेबीलोन पाया। तो यही वह व्यक्ति है जिसने अंततः सब कुछ खोल दिया। अब, मारी की विरासत क्या है? फिर, मैंने अभी जिस बारे में बात की वह शहर के बारे में कुछ बुनियादी विवरण, कब्जे की लंबाई, बहुत, बहुत पुराना शहर, क्या महत्वपूर्ण है।

तो अब, मैं वास्तव में उस पर जाना चाहता हूँ जो महत्वपूर्ण है। मैं मूल रूप से आपको महत्वपूर्ण डेटा देने जा रहा हूँ, इसे आपके लिए सारांशित करूँगा, और फिर इसे पुराने नियम में वापस लाऊँगा। पहली चीज़ों में से एक जो हमें समझनी है वह है एक विशेष संस्कृति और द्विरूपी समाज के रूप में एमोरियों की विरासत।

अब, यह जटिल लग सकता है, लेकिन मैं स्पष्ट कर दूँ। एमोराइट्स एक विशिष्ट लोगों का समूह है। वास्तव में पुराने नियम में कुछ स्थानों पर एमोरियों की चर्चा की गई है।

अक्सर नहीं, लगभग कुछ कनानियों जितनी बार नहीं, लेकिन हम पुराने नियम में एमोरी लोगों के बारे में बात करते हैं। इसलिए, पुराना नियम इस विशेष संस्कृति से अवगत है। वे एक बहुत व्यापक संस्कृति हैं, एक बहुत ही कठिन संस्कृति है जिसे परिभाषित करना मुश्किल है।

लेकिन वे वहाँ हैं, हम उन्हें पहचान सकते हैं, हम कई कारणों से पहचान सकते हैं कि कौन एमोराइट है और कौन नहीं, लेकिन यह बहुत, बहुत मुश्किल है। वे एक विविध लोगों का समूह थे। वे एक विविध संस्कृति थे, एकीकृत थे, और हम इसमें से बहुत कुछ को स्पष्ट करने और स्पष्ट करने की शुरुआत करने के लिए डैनियल प्लेमिंग को धन्यवाद दे सकते हैं, लेकिन वे किसी राष्ट्र

द्वारा नहीं, किसी विशेष स्थान से नहीं, बल्कि जीवन के एक विशिष्ट तरीके और एक विशिष्ट तरीके से एकीकृत हैं। भाषा।

इसलिए, वे भाषा की एक विशिष्ट शैली को मानते थे और वे जीवन के एक विशिष्ट तरीके को मानते थे। और जीवन के उस तरीके को किसी भी अन्य चीज़ से अधिक जीवन के एक गतिशील देहाती तरीके के रूप में परिभाषित किया गया है। यह ऐसी संस्कृति नहीं थी जिसमें बसने और शहरीकरण की प्रवृत्ति थी।

नहीं, वे अपने झुंडों के लिए मौसमी प्रवासन पैटर्न का पालन करते हुए एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते थे, और उन्होंने स्थानीय शहरी केंद्रों की तुलना में अलग तरीके से काम किया। उन्हें नकारात्मक रूप से भी देखा गया। इसमें कुछ सकारात्मकताएं थीं, लेकिन बहुत सारी नकारात्मकताएं भी थीं।

इसलिए, जब हम ज़िमरी लिम के पत्राचार के बारे में पढ़ते हैं, तो मुझे खेद है, जब हम मेसोपोटामिया के कुछ दस्तावेज पढ़ते हैं जो एमोराइट्स के बारे में बात करते हैं, तो उनमें से कुछ सकारात्मक होते हैं, लेकिन साथ ही बहुत कुछ नकारात्मक भी होता है। लेकिन वे जीवन के एक विशिष्ट तरीके से परिभाषित इन लोगों के बारे में भी बात कर रहे हैं। अब, पुराने नियम में एमोरियों की प्रतिध्वनि कहां है, इसके बारे में बात करते हुए, पुराना नियम भी उन्हें लौह युग से पहले केंद्रीय उच्चभूमि क्षेत्रों में एक शिथिल परिभाषित राजनीति के रूप में याद करता है।

वे एक स्वर्गीय कांस्य युग, मध्य कांस्य युग की घटना हैं जो हाइलैंड क्षेत्रों से जुड़ी हुई है, जहां जीवन के इस मोबाइल देहाती तरीके ने वास्तव में उस क्षेत्र में पकड़ बनाई है। और बाइबिल में इस्राएली उन्हें नकारात्मक रूप से याद करते प्रतीत होते हैं। इसलिए, उदाहरण के लिए, मनश्शे को उसके शासक मूल्यांकन में नकारात्मक रूप से वर्णित किया गया है, और उसके पाप वास्तव में उसके पहले एमोरियों के साथ जुड़े हुए हैं।

तो, यह बहुत नकारात्मक है. मेरा मानना है कि यह मनश्शे है। मुझे पूरा यकीन है कि यह मनश्शे है।

क्योंकि यह एक तरह से कहीं से भी उछलता है। लेकिन वे पुराने नियम में सामने आते हैं। व्यवस्थाविवरण में भी उनके बारे में चर्चा है, जो कनानी बुतपरस्ती से भी जुड़ी है।

इसलिए, उन्हें नकारात्मक रूप से याद किया जाता है। लेकिन फिर, उन्हें जीवन के एक विशेष तरीके के लिए याद किया जाता है, उन्हें एक शिथिल परिभाषित राजनीति के रूप में याद किया जाता है, और उन्हें नकारात्मक रूप से याद किया जाता है। अब, दूसरी चीज़ जिसके बारे में मारी के ग्रंथ बात करते हैं वह है द्विरूपी समाज का विचार।

डिमोर्फिज़्म एक समाज के भीतर अलग लेकिन पहचाने जाने योग्य तत्वों को संदर्भित करता है जो समाज की भलाई के लिए सहयोग करते हैं। अब, माना कि, द्विरूपता को परिभाषित करना कठिन है। लेकिन मुझे लगता है कि हम यह समझने में काफी आश्वस्त हो सकते हैं कि कुछ

समाज, विशेष रूप से प्राचीन दुनिया में, अलग-अलग क्षेत्रों, यदि आप चाहें, तो अलग-अलग तत्वों से बने थे।

और कई बार, उस समाज में ऐसे लोग भी होते थे जो अपना जीवन यापन करते थे और दैनिक पशु चराने का काम करते थे। और इसलिए इब्राहीम ने ऐसा किया, कुलपतियों ने ऐसा किया। वे सेंट्रल रिज रोड के ऊपर और नीचे मौसमी प्रवासन पैटर्न का पालन करेंगे, और हम इसी बारे में बात कर रहे हैं।

मारी के ग्रंथ शहरों में रहने वाले लोगों के संबंध में इन कृषि-पशुपालक लोगों के बारे में बात करते हैं। और कई बार, वे वहां मौजूद तनाव के बारे में बात करते हैं। उन्होंने चीजें अलग ढंग से कीं।

इसका एक बड़ा उदाहरण सदोम और अमोरा के निकट लूत है। सदोम और अमोरा नगर हैं। वे शहरी केंद्र हैं। इस कृषि-देहाती जीवन शैली के साथ बहुत कुछ जुड़ा हुआ प्रतीत होता है।

ये द्विरूपी समाज हैं जो मारी में अच्छी तरह से प्रलेखित हैं। और उसका महत्व हमें एक सेकंड में मिल जाएगा। लेकिन फिर, मारी के निहितार्थ काफी हद तक एमोरियों और द्विरूपी समाजों की विरासत से जुड़े हैं, और हम उन्हें कैसे परिभाषित करते हैं ?

यह प्रकाशित भी करता है, और यह शायद मारी ग्रंथों का मेरा पसंदीदा तत्व है क्योंकि मारी ग्रंथों तक, जब भविष्यवक्ताओं को परिभाषित करने की बात आती है तो हम थोड़ा सा छाया खेल कर रहे थे। वे कौन थे? उन्होंने एक सामाजिक संस्था के रूप में कैसे कार्य किया? हमारे पास कुछ पाठ था। हमारे पास कुछ स्थानों से कुछ सबूत थे।

लेकिन मारी के साथ, चीजें वास्तव में स्पष्ट होने लगीं। और हम विशेष रूप से अब्राहम मालामोंट जैसे कुछ विद्वानों को धन्यवाद दे सकते हैं, जिन्होंने वास्तव में पैगंबर की संस्थागत प्रोफ़ाइल को स्पष्ट करना शुरू कर दिया था जो कि मारी ग्रंथों के कारण संभव था। अब, मारी क्या करती है, मारी भविष्यवक्ताओं के बारे में बोलेगी।

यह इन कीलाकार पट्टियों में भविष्यवक्ताओं के बारे में बात करेगा। वे विभिन्न शब्दों में भविष्यवक्ताओं के बारे में बात करेंगे। वे इस भविष्यवक्ता के बारे में बात करने के लिए विभिन्न प्रकार के शब्दों का प्रयोग करेंगे।

और उसका क्या मतलब है? इसका मतलब यह है कि भविष्यवाणी संस्था को एक विशिष्ट अवधि तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। तो, आपने किसी को यह कहते हुए सुना होगा, ठीक है, आप जानते हैं, वह आदमी, उसे नवी कहा जाता है, इसलिए, वह एक भविष्यवक्ता है। लेकिन यहाँ पर इस आदमी को नवी नहीं कहा जाता है, इसलिए वह सिर्फ एक द्रष्टा है, या वह सिर्फ एक दूरदर्शी है।

वह वास्तव में भविष्यवक्ता नहीं है। यह हुई, यह बकवास है। यह उचित नहीं है क्योंकि मारी ने हमें जो दिखाया वह यह है कि एक एकल सामाजिक संस्था के बारे में बात करने के लिए विभिन्न प्रकार के शब्दों का इस्तेमाल किया गया था।

हम अधिकतर उद्देश्य के आधार पर एक सामाजिक प्रोफ़ाइल बनाते हैं। इन लोगों ने अपने समाज के संदर्भ में कैसे कार्य किया? इससे भी अधिक कि उनका संदर्भ कैसे दिया गया। सन्दर्भ महत्वपूर्ण है।

मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि संदर्भ मायने नहीं रखता है, लेकिन मैं यह कह रहा हूँ कि अगर हम केवल इस बात पर निर्भर रहें कि उनका संदर्भ कैसे दिया जाता है, तो हम संभावित रूप से समस्याओं में पड़ सकते हैं। लेकिन मारी हमें दिखाती है कि भविष्यवक्ताओं के बारे में बात करने के लिए विभिन्न प्रकार के शब्दों का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसलिए, जब भविष्यवक्ताओं के बारे में बात की जाती है तो मारी ग्रंथ एक बहुत ही मूल्यवान तुलनात्मक उपकरण के रूप में कार्य करते हैं।

वे हमें दिखाते हैं कि मारी के भविष्यवक्ता और ये ग्रंथ 1750 ईसा पूर्व के हैं, इसलिए पितृसत्तात्मक काल के दौरान, राजाओं और एकजुट और विभाजित राजतंत्रों के काल के दौरान नहीं। यह सैकड़ों साल पहले की बात है, लेकिन वे अभी भी हमें भविष्यवाणी के ऐसे ही तरीके दिखा रहे हैं। आगमनात्मक भविष्यवाणी बनाम निगमनात्मक भविष्यवाणी।

वे भविष्यसूचक वचन कैसे दे रहे थे? मारी हमें दिखा रही है कि वे भी इसी तरह काम कर रहे हैं। आगमनात्मक भविष्यवाणी के साथ-साथ सहज ज्ञान युक्त भविष्यवाणी। सहज भविष्यवाणी तब होती है जब कोई शब्द दिव्य आत्मा द्वारा अभिषिक्त व्यक्ति पर आता है।

उन्हें बस एक शब्द मिलता है। शायद आपने सुना होगा। मेरे पास आपके लिए एक शब्द है जो पवित्र आत्मा से आया है।

यह एक सहज भविष्यवाणी है। आगमनात्मक भविष्यवाणी कुछ प्रकार की आधार रेखा, कुछ प्रकार की अवलोकन योग्य घटनाओं का उपयोग कर रही है, और फिर आप कुछ देख रहे हैं, कुछ देख रहे हैं, और कह रहे हैं, ठीक है, इसका क्या मतलब है? ठीक है, मेरे पास बेहतर टर्म पाठ्यपुस्तक की कमी क्या कहती है? तो, वे स्थापित सिद्धांतों, स्थापित मानदंडों पर वापस जाते हैं, और कहते हैं, ठीक है, अगर दिन के इस समय कौआ आपके घर के ऊपर उड़ता है, तो हम शायद कुछ अशुभ से निपट रहे हैं। तो यही निगमनात्मक भविष्यवाणी थी।

आप चीजें देखते हैं, और आप कुछ देखते हैं, आप कुछ अनुभव करते हैं, फिर आप यह समझने के लिए एक स्वीकृत सिद्धांत पर वापस जाते हैं कि इसका क्या मतलब है। तो, हमारे पास यह पुराने नियम में है। मारी में वह हमारे पास था।

फिर से, हमें इस संस्था को संदर्भ में समझने में मदद मिल रही है। हम मारी में यह भी देखते हैं कि भविष्यवाणी संकट के समय से जुड़ी होती है। भविष्यवाणी कुछ शक्ति संरचनाओं से जुड़ी है।

तो, मारी में केंद्रीय भविष्यवक्ता हैं और मारी में परिधीय भविष्यवक्ता हैं। परिधीय भविष्यवक्ता वे भविष्यवक्ता हैं जो केंद्रीय शक्ति संरचनाओं से जुड़े नहीं हैं। एलिय्याह, एलीशा, मीका।

ये वे भविष्यवक्ता हैं जो समाज के हाशिए पर घूमते हैं। वे संबद्ध नहीं हैं। वे केंद्रीय राजतंत्र से संबद्ध नहीं हैं।

लेकिन फिर हमारे पास नाथन जैसे भविष्यवक्ता हैं। हमारे पास गाद जैसे भविष्यवक्ता हैं। यशायाह शायद एक केंद्रीय भविष्यवक्ता के रूप में अधिक है।

उसे राजा हिजकिय्याह और राजा आहाज तक आसानी से पहुंच मिल गई है। वह शायद एक परिधीय भविष्यवक्ता की तुलना में अधिक एक केंद्रीय भविष्यवक्ता है। तो, ये हमारे पास पुराने नियम में हैं।

और संकट के समय से जुड़ी भविष्यवाणी? मेरा मतलब है, संपूर्ण लौह युग सामाजिक परिवर्तन और संकट का एक बड़ा समय था, खासकर जब नव-असीरियन और बेबीलोनियन दृश्य पर आए थे। तो फिर, मारी में हम भविष्यवक्ताओं को उसी तरह अपना काम करते हुए देखते हैं। यह पैगंबर की संस्था के लिए प्रोफ़ाइल बनाने के लिए एक मूल्यवान तुलनात्मक उपकरण बन जाता है।

मारी में हम यह भी देखते हैं कि भविष्यवाणी को किसी बड़ी चीज़ के संदर्भ में समझा जाता है। और लड़के, क्या यह रोमांचक है। इससे हमें पता चलता है कि इस्राएली भविष्यवक्ता, क्योंकि वे अपने वचन को किसी बड़ी चीज़ का हिस्सा समझते थे, वाचा का विचार, मुक्ति का इतिहास, इज़राइल के साथ ईश्वर का संबंध, वही बात, ऐसी ही चीज़ें मारी में हो रही थीं।

यह उतना धार्मिक रूप से विकसित नहीं था। लेकिन यह सुझाव देने के लिए सबूत हैं कि मारी के भविष्यवक्ताओं ने समझा कि उनके कथन का उस विशिष्ट बातचीत से कहीं अधिक बड़ा प्रभाव पड़ेगा। तो मारी दिलचस्प रूप से एक अच्छा क्रॉस-सेक्शन प्रदान करती है।

पुनः, लगभग 1750 ईसा पूर्व दिनांकित। ठीक है, यह ज़िमरी-लिम के समय के बारे में है। यह हमें उस समय एक मूल्यवान क्रॉस-सेक्शन प्रदान करता है जहां बाइबल हमें एक ऐतिहासिक दृष्टिकोण प्रदान करती है।

साथ में, ये दो चीज़ें वास्तव में हमें आत्मविश्वास से बोलने की अनुमति देती हैं कि भविष्यवक्ता कौन हैं, वे अपना व्यवसाय कैसे संचालित करते हैं, और वे समाज में क्या करते हैं। हम यह समझने लगते हैं कि भविष्यवक्ताओं ने धार्मिक और सामाजिक दोनों भूमिकाएँ निभाईं। इन दोनों में अंतर करना बहुत मुश्किल है।

हाँ, उन्होंने परमेश्वर का वचन लोगों तक, राजाओं तक, याजकों तक, जनता तक पहुँचाया। और जब उन्होंने ऐसा किया, तो उन्होंने एक विशिष्ट सामाजिक कार्य किया। तो फिर, जब मारी पाठ की बात आती है तो बहुत, बहुत मूल्यवान अंतर्दृष्टि और यह हमें भविष्यवक्ताओं की प्रोफ़ाइल, संस्थागत प्रोफ़ाइल को परिभाषित करने में कैसे मदद करती है।

अब, कुछ मिनट पीछे जाकर, मैंने जो कहा उसके आधार पर, मारी को कुलपतियों की ऐतिहासिकता के बारे में हमें क्या बताना है? फिर से, हम मारी पाठ को देखते हैं, और हम कृषि - पशुपालकों और शहरी लोगों के बीच इस बातचीत को देखते हैं। और मैंने संक्षेप में बताया कि यह काफी हद तक लूट जैसा लगता है। यह काफी हद तक इब्राहीम, इसहाक और जैकब जैसा लगता है।

मेरा मतलब है, अब्राहम वापस आता है, उसकी मलिकिसिदक के साथ बातचीत होती है, जो स्पष्ट रूप से उसके निकट एक शहरी स्थान से जुड़ा हुआ है, और वे यह बातचीत कर रहे हैं। यह हमें कुलपतियों की ऐतिहासिकता के बारे में क्या बताता है? और पितृसत्तात्मक आख्यानो की ऐतिहासिकता के बारे में बातचीत बहुत लंबी है। और मैं आवश्यक रूप से उन विवरणों को दोबारा उजागर नहीं करना चाहता।

लेकिन यह कुछ ऐसा है जिसे 70 और 80 के दशक में मिटा दिया गया था, और यह एक बहुत ही भयंकर बहस थी। लेकिन मारी के बारे में दिलचस्प बात यह है कि यह हमें दिखाती है कि सामाजिक विवरण, पृष्ठभूमि की जानकारी, वह संदर्भ जिसमें पितृपुरुष रहते थे, कल्पना नहीं है। यह वास्तविकता है।

ये समाज इसी तरह काम करते हैं। इसी तरह से समाज के भीतर ये तत्व कार्य करते हैं और बातचीत करते हैं। इसलिए, जब यह इब्राहीम के शहर के लोगों के साथ आवधिक बातचीत के बारे में बात करता है, जब यह शहरी केंद्रों के साथ लॉट की बातचीत आदि के बारे में बात करता है, जब यह इस चीज के बारे में बात करता है, तो यह कल्पना नहीं है।

बाइबिल का पाठ एक अच्छी तरह से प्रलेखित स्मृति, स्मृति, कुलपतियों की वास्तविकता पर कब्जा कर रहा है। मारी हमें उस चीज को थोड़ा और विस्तार से समझने की अनुमति देती है। क्या यह पितृसत्तात्मक आख्यानो की ऐतिहासिकता को संदेह की छाया से परे साबित करता है? नहीं, यह ऐसा नहीं करता।

इसलिए, आपको मारी के पाठ का उल्लेख नहीं करना चाहिए, जो द्विरूपी समाजों के बारे में बात करता है, जो हमें इस प्रकार के समाजों को पहचानने और समझने में मदद करता है। आपको उन ग्रंथों को जब्त नहीं करना चाहिए और उन्हें पितृसत्तात्मक आख्यानो की ऐतिहासिकता के समर्थन के रूप में क्षमाप्रार्थी रूप से उपयोग नहीं करना चाहिए। आप ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि साक्ष्य केवल इतना ही दूर तक जाता है।

यह केवल उस बिंदु तक जाता है जहां यह अंतःक्रिया, इस प्रकार की अंतःक्रिया, इस प्रकार का समाज, वास्तविक था। जब आप इब्राहीम, इसहाक और जैकब की ऐतिहासिकता के पक्ष में बहस करने के लिए उस साक्ष्य का उपयोग करना शुरू करते हैं, तो आप अतिशयोक्ति कर रहे हैं। आप सबूतों से परे जा रहे हैं।

इसलिए, जो साक्ष्य आपको देता है उसे ले लें। लेकिन फिर, मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है। मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इन आख्यानों को वास्तविक ऐतिहासिक ढांचे में स्थापित करता है, और यह महत्वपूर्ण है।

तो वह मारी है, और मैं यहां गियर बदलना चाहता हूं। मैं यहां गियर बदलना चाहता हूं और गिलगमेश के महाकाव्य के बारे में बात करना चाहता हूं। फिर से, मारी एक साइट है, और हम सिटी 3 से चिंतित हैं। यह एक विशेष साइट है जो वास्तव में सामाजिक पृष्ठभूमि, पैगम्बरों की सामाजिक संरचना, द्विरूपी समाज, एमोराइट्स वगैरह पर प्रकाश डालती है।

फिर, एक व्यापक अभिसरण। लेकिन यहां मैं साहित्य के बारे में बात करना चाहता हूं। मैं साहित्य के बारे में बात करना चाहता हूं, और यहीं चीजें वास्तव में बहुत रोमांचक हो जाती हैं।

मुझे गिलगमेश महाकाव्य पसंद है। मैं इसे पसंद करने लगा हूं और मुझे लगता है कि यह कई कारणों से वाकई बेहद आकर्षक है। लेकिन हमें शुरुआत करनी होगी क्योंकि यह एक पाठ है; हमें कहानी के सारांश से शुरुआत करनी होगी।

इसकी शुरुआत शोषण का वर्णन करने से होती है। गिलगमेश-मुझे यह नहीं कहना चाहिए कि यह शुरू होता है, लेकिन गिलगमेश महाकाव्य आवश्यक है। यह इससे भी अधिक है; यह एक अर्थ में बहुत दार्शनिक है। लेकिन यह मुख्यतः उरुक के एक ऐतिहासिक राजा के कारनामों का वर्णन करने के बारे में है, और उसका नाम गिलगमेश था। अब, शुरू में, गिलगमेश का व्यक्तित्व स्पष्ट रूप से बहुत कठिन था।

गिलगमेश महाकाव्य की आरंभिक पंक्तियाँ अपने लोगों के प्रति उसकी कठोरता के बारे में बात करती हैं, और वह एक सुखद नेता नहीं था। और इस वास्तविकता ने लोगों को, मैं नहीं जानता, रोने पर मजबूर कर दिया। उन छवियों में जो मुझे निर्गमन अध्याय 1 की याद दिलाती हैं, जनता एक गैर-परोपकारी नेता के दमनकारी संदर्भ के जवाब में रो रही है।

यह समान है; यह सटीक नहीं है, लेकिन यह मुझे याद दिलाता है, जब आप गिलगमेश के शुरुआती छंद पढ़ते हैं, तो यह मुझे निर्गमन अध्याय 1 की याद दिलाता है। और देवता एकत्र होते हैं, और वे लोगों की पुकार सुनते हैं, और वे कहते हैं, ठीक है, अनिवार्य रूप से, हमें इसके बारे में कुछ करना होगा, और हम क्या करने जा रहे हैं? ठीक है, चलो उसे एक प्रतिद्वंद्वी दे दो। आइए उसे कोई ऐसा व्यक्ति दें जो उसे उसकी जगह पर बिठाए, जो उस पर शासन करे और जो उसे अधिक उदार शासक बनाए। और हम उसे एनकीडु देने जा रहे हैं, और यह एक जंगली आदमी है।

तो, गिलगमेश शहर से है, वह एक राजा है, और उसके जवाब में, यदि आप चाहें तो देवता एक पहाड़ देने जा रहे हैं। और एनकीडु, जिस तरह से उसका वर्णन किया गया है, वह बिल्कुल वैसा ही है, मेरा मतलब है, वह वैसा ही है, वह एक पहाड़ी आदमी है। वह जंगल का आदमी है, और वह बहुत अदम्य है, लेकिन यही वह व्यक्ति है जो गिलगमेश को नियंत्रण में रखेगा।

समस्या यह है कि जब एनकीडु और गिलगमेश अंततः एक-दूसरे के सामने आ जाते हैं, तो वे लड़ते हैं, वे कुशती करते हैं, और यह एक बहुत, बहुत लंबी लड़ाई है जो सामने आती है और एक जगह से दूसरी जगह जाती है, लेकिन अंततः, एनकीडु और गिलगमेश हार जाते हैं। वे एक-दूसरे से नफरत नहीं करते, बल्कि वे BFFs बन जाते हैं। मेरा मतलब है, एक ब्रोमांस उत्पन्न होता है, मूलतः यही है। और इसलिए देवताओं की योजना एक तरह से उलटी पड़ गई।

गिलगमेश एनकीडु का सबसे अच्छा दोस्त बन जाता है, और यह कहानी के बाकी हिस्सों को पोषित करना शुरू कर देता है। वे जो चीजें करते हैं उनमें से एक यह है कि कथा निश्चित समय से आगे बढ़ती है; यह चीजें दिखाता है, और यह कथा को आगे बढ़ाता है। और फिर, एनकीडु और गिलगमेश के दोस्त बनने के बाद, अनिवार्य रूप से, वे इधर-उधर बैठे रहते हैं, और वे ऊब जाते हैं।

हम क्या करने जा रहे हैं? मुझे नहीं पता। हम कुछ और कुशती लड़ सकते थे। अरे नहीं।

बहुत हो गया. चलो ऊपर चलें और कुछ मारें। चलो ऊपर चलें और शिकार करें।

और इसलिए, गिलगमेश और एनकीडु ने फैसला किया कि वे लेबनान के जंगल में जाएंगे और अपनी मर्दानगी का इस्तेमाल करेंगे, और वे हम्बाबा नामक एक पौराणिक प्रकार की देवता की तलाश करने जा रहे हैं। और यह एक देवता है जो जंगलों, स्थलीय क्षेत्र के किनारों पर शासन करता है। और प्राचीन मेसोपोटामिया के साहित्य में जंगलों के बारे में आपको जो बातें समझनी होंगी उनमें से एक यह है कि वे अक्सर पृथ्वी पर मौजूद चीजों और स्थलीय क्षेत्र से परे की चीजों, अलौकिक, यदि आप चाहें, के बीच संक्रमण क्षेत्र का प्रतीक हैं।

तो, जंगल यह जंगल है, यह संक्रमणकालीन क्षेत्र है जहां कुछ पागल, डरावनी चीजें रहती हैं। और लेबनान के देवदार के जंगल में रहने वाली उन पागल, डरावनी चीजों में से एक है हम्बाबा नामक चीज़। और इसलिए, एनकीडु और गिलगमेश ने फैसला किया कि वे ऊपर जा रहे हैं और हम्बाबा को मार डालेंगे।

वे अंततः एक लंबी यात्रा के बाद वहां पहुंचते हैं। और यह इस यात्रा के दौरान है जहां वे वास्तव में सोचते हैं, आप जानते हैं, क्या हम वास्तव में ऐसा करना चाहते हैं? लेकिन वे इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि वे वास्तव में इस आदमी के पीछे जाने वाले हैं। और वे वास्तव में इस आदमी के पीछे जाने वाले हैं।

और अंततः, वे लेबनान के जंगल तक चले जाते हैं। हम्बाबा द्वारा उनका अपमान करने के बाद उन्होंने हम्बाबा को मार डाला। लेकिन आखिरकार उन्होंने उसे वश में कर लिया, और वे उसे वापस ले गए।

वे जीत का सबूत वापस उरुक ले जाते हैं, जहां वे जश्न मनाने जा रहे हैं। वे एक बड़ी पार्टी करने जा रहे हैं। और यह उस पार्टी के दौरान है कि ईशर के मन में गिलगमेश के लिए गू-गू आंखें आने लगती हैं।

वह गिलगमेश पर आगे बढ़ती है। और गिलगमेश ने उसे झिड़क दिया। और इससे इश्तार क्रोधित हो जाता है।

और इसलिए, वह अपने पिता के पास जाती है और कहती है, तुम्हें पता है, गिलगमेश ने मुझे झिड़क दिया है। मैं कभी इतना शर्मिंदा नहीं हुआ। मैं दुखी हूँ।

कुछ करो पापा. कुछ करो। और इसलिए, उसके पिता, आप जानते हैं, यह बहुत दिलचस्प है कि इस पाठ में देवताओं के बीच बातचीत का वर्णन कैसे किया गया है।

यह बहुत बचकाना है और इस तरह की चीजें बहुत ही उचित हैं। लेकिन अंततः, ब्रह्मांडीय बैल को छोड़ दिया जाता है। माना जाता है कि ब्रह्मांडीय बैल उरुक तक जाएगा और सब कुछ तहसनहस कर देगा।

और यह भुगतान है. यह इश्तार को फटकार लगाने के लिए गिलगमेश को भुगतान है। खैर, दुर्भाग्य से, गिलगमेश और एनकीडु फिर से हरकत में आ गए।

और वे ब्रह्मांडीय बैल को परास्त कर देते हैं, जिससे लोग और भी अधिक क्रोधित हो जाते हैं। तो आपके पास एनकीडु द्वारा सशक्त गिलगमेश है, जिसने देवताओं के लिए और भी अधिक समस्याएं पैदा करना शुरू कर दिया है। तो, वे क्या करने जा रहे हैं? और यहाँ, इस बिंदु पर, एक बहुत बड़ा ब्रेक है।

हमारे पास जो पाठ है उसमें एक विराम है। और फिर जब चीजें गति पकड़ती हैं, तो यह सम्मेलन होता है, यदि आप चाहें, तो यह दिव्य सम्मेलन चल रहा है, जहां देवता कह रहे हैं, ठीक है, कुछ तो होना ही है। हमें पहले स्तर से दोबारा शुरुआत करनी होगी।

और इसका मतलब है एनकीडु को मेज से हटाना। एनकीडु को मेज से हटा दिया गया और उसे मार दिया गया। और यह गिलगमेश के लिए बहुत, बहुत परेशान करने वाली बात है।

क्योंकि यह उसका सबसे अच्छा दोस्त था, यह उसका भाई था। उनके बीच बहुत बढ़िया ब्रोमांस था जहां उन्होंने सब कुछ एक साथ किया, इस लड़के के साथ उनका बहुत ही घनिष्ठ रिश्ता था और उन्होंने तुरंत उसे पसंद कर लिया।

और इस प्रकार, गिलगमेश सर्पिल होना शुरू हो जाता है। वह भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक रूप से नियंत्रण से बाहर होने लगता है और उसका दिमाग भटकने लगता है। और जहां इसका अंत होता है वह यह है कि वह बाहर जा रहा है, और वह इस सब को समझने की कोशिश करने जा रहा है।

यदि आप चाहें तो वह घूमने जा रहा है। और वह अमरता के इस विचार को आगे बढ़ाने जा रहा है। मौत बहुत दुखद है।

मृत्यु बहुत भयानक है. मैं इसका अनुभव नहीं करना चाहता. और वह अमरता की तलाश में लग जाता है।

यह खोज, अमरता की यह खोज उसे उत्तानपिष्टिम नाम के एक व्यक्ति के पास ले जाने वाली है। क्योंकि जहाँ तक गिलगमेश को पता है, केवल एक ही मनुष्य है जिसने कभी अमरत्व प्राप्त किया है, केवल एक ही मनुष्य है जिसने कभी अमरत्व प्राप्त किया है। और इसलिए तर्क उसे बताएगा कि यदि कोई एक इंसान है जिसने यह किया है, तो मुझे उस व्यक्ति को ढूँढना होगा, उससे पूछना होगा कि यह कैसे हुआ, और यही मेरी सफलता की कुंजी है।

इसलिए, वह एनकीडु की मौत के जवाब में अमरता की तलाश में निकला है। उत्तानपिष्टिम, और हम बस एक सेकंड में यहां इस तस्वीर में आ जाएंगे। उत्तानपिष्टिम का वर्णन है, अंततः गिलगमेश को उत्तानपिष्टिम का रास्ता मिल जाता है।

उत्तानपिष्टिम सीमावर्ती क्षेत्रों में रहता है, जो स्थलीय क्षेत्र और स्वर्गीय क्षेत्र के बीच का संक्रमणकालीन क्षेत्र है, क्योंकि वह अमर है। यह समझ में आता है। तो, गिलगमेश, एक बहुत ही कठिन यात्रा के माध्यम से, खुद को उत्तानपिष्टिम की कंपनी में पाता है, और वह मूल रूप से कहता है, तुमने यह कैसे किया, यार? आपने यह कैसे किया? मुझे उसमें से कुछ चाहिए।

एक बातचीत शुरू होती है और वह बातचीत एक कहानी का रूप ले लेती है। उत्तानपिष्टिम बताते हैं कि कैसे उन्होंने अमरता हासिल की, जिसमें देवताओं द्वारा भेजी गई बाढ़ भी शामिल थी।

इसमें वह नाव शामिल थी जिसने उसे और उसके समुदाय के सदस्यों को बचाया था। इसमें वह काफी समय तक उस नाव पर बैठा रहा। इसमें वैश्विक बाढ़ का कम होना शामिल था ताकि नाव अंततः जमीन पर आ जाए।

वह नाव से उतर जाता है और फिर, अचानक, देवता क्रोधित हो जाते हैं। हे भगवान, मानवता बच गई है। हमने मानवता को मारने के लिए यह बाढ़ शुरू की है।'

हम मेज से मानवता चाहते थे और फिर भी वे जीवित हैं। क्या हुआ? और इसलिए देवताओं के बीच यह अंतर्कलह शुरू हो जाती है क्योंकि देवताओं को पता है कि किसी ने सब कुछ उगल दिया है। कौन था? और इस प्रकार उत्तानपिष्टिम को अंततः अमरता का प्रस्ताव मिल जाता है।

और वह कहता है, ठीक है, तुमने हमें पा लिया, तुमने यह किया, तुम दिव्य हो। लेकिन उस कहानी को सुनाने की प्रक्रिया में, जो बाइबिल की बाढ़ कथा की तरह बहुत भयानक लगती है, लेकिन उस कहानी को दोबारा सुनाने की प्रक्रिया में, उत्तानपिष्टिम गिलगमेश को देखेगा और कहेगा, यह एक बार का सौदा था, दोस्त। आपको ये समझ नहीं आ रहा है।

लेकिन गिलगमेश इससे संतुष्ट नहीं हैं। वह धक्का देता रहता है, वह धक्का देता रहता है, वह धक्का देता रहता है। वह उत्तानपिष्टिम को नीचे पहनता है।

और उत्तानपिष्टिम अंततः कहता है, ठीक है, ठीक है, यदि आप लगातार एक सप्ताह तक जाग सकते हैं, ठीक है, यदि आप लगातार एक सप्ताह तक जाग सकते हैं, तो आपके पास यह होगा। वह ऐसा नहीं कर सकता. वह अपनी यात्रा से बहुत थक गया है।

वह अपने जीवन की हर चीज़ से बहुत थक चुका है। वह इसे बहुत लंबा नहीं बनाते. और अपनी बात को साबित करने के लिए उत्तानपिष्टिम ने एक केक पकाया है।

वह ऐसा है, यहाँ, तुम जाग जाओ। आपने कहा था कि आपको नींद नहीं आई, लेकिन इसका कारण यह है कि हमने यह सारा खाना बनाया था और आप सो गए। लेकिन गिलगमेश अभी भी संतुष्ट नहीं हैं.

वह अब भी धक्का देता रहता है, और वह अब भी धक्का देता रहता है। और फिर अंत में, उत्तानपिष्टिम कहता है, ठीक है, ठीक है, ठीक है। यदि आप अप्सू के मौलिक जल में उतर सकते हैं, तो वहाँ एक पौधा है जो झील के तल पर उगता है।

यदि आप वह पौधा प्राप्त कर सकते हैं, तो आप उसे वापस ला सकते हैं। वह आपका टिकट है. यदि तुम ऐसा कर सके तो तुम अमर हो जाओगे। और गिलगमेश कहते हैं कि मैं वह शर्त लेता हूँ।

मैं इसे करूँगा। तो, वह अपने ऊपर कुछ भारी चट्टानें बांधता है और वहाँ से निकल जाता है और वह नीचे तक डूब जाता है और उसे पौधा मिल जाता है। और उस पौधे के साथ घर जाते समय जो उसे अमर जीवन देगा, वह आराम करने के लिए रुकता है।

और क्या होता है, वह उसे नहीं दिखता, परन्तु उसके पीछे से एक साँप आता है और पौधे को उठा ले जाता है, पौधे को खा जाता है। और वह पौधा जो उत्तानपिष्टिम को शाश्वत जीवन देने वाला था, खत्म हो गया है। और यह उस बिंदु पर है कि गिलगमेश, मुझे खेद है, वह गिलगमेश को अनन्त जीवन देने जा रहा है, वह चला गया है।

उस बिंदु पर, गिलगमेश को अंततः एहसास हुआ कि अमरता मानवता के लिए नहीं है। और वह कुछ नये दोस्तों के साथ घर वापस जाने और अपना शेष जीवन उरुक में बिताने का फैसला करता है। और यह अजीब बातचीत है जहाँ अचानक गिलगमेश पाताल लोक में उतर रहा है और फिर से एनकीडु की तलाश कर रहा है।

और एनकीडु उससे अनिवार्य रूप से कहता है, इस सड़क पर मत जाओ, इसकी तलाश मत करो। यह दिलचस्प है क्योंकि इससे पता चलता है कि यह समझना वाकई मुश्किल है कि वह दृश्य बड़ी कहानी में कहां फिट बैठता है, लेकिन यह कथा की जटिलता और यह कैसे विकसित हुआ, इस पर बात करता है। लेकिन फिर, मूल रूप से, यह कहानी मानवता के बारे में है और गिलगमेश के व्यक्ति में प्रकट मानवता के बारे में है, जो यह समझती है कि वे कौन हैं, उन्हें क्या करना चाहिए, उन्हें कैसे जीना चाहिए, और जीवन में उनका उद्देश्य क्या है, उनका देवताओं से क्या संबंध है.

तो, यह एक महाकाव्य कहानी है जो जीवन के कुछ महान प्रश्नों के बारे में बात करती है। और इसलिए, गिलगमेश को खोजने की कहानी, हमें रुककर इस बारे में बात करनी होगी क्योंकि गिलगमेश को खोजने की कहानी उतनी ही दिलचस्प है जितनी गिलगमेश की सामग्री के बारे में बात करना। हम सामग्री पर वापस जाएंगे, हम इस सब के निहितार्थों के बारे में बात करेंगे, लेकिन हमें इस बारे में बात करने के लिए कुछ क्षण लेने होंगे कि गिलगमेश महाकाव्य की खोज कैसे हुई।

गिलगमेश महाकाव्य का पाठ, इसकी खोज कैसे हुई? अब हमें यह समझना होगा कि यह सब एक बार में नहीं मिला था, यह चरणों में मिला था। और वे निष्कर्ष, यदि आप चाहें, तो मेसोपोटामिया, प्राचीन नीनवे, प्राचीन असीरियन राजधानियों आदि की शुरुआती खुदाई से जुड़े थे। और इसलिए, इसकी शुरुआत ऑस्टिन हेनरी लेयर्ड नाम के एक व्यक्ति से होती है।

और ऑस्टिन हेनरी लेयर्ड एक ऐसा व्यक्ति था जो एक राजनयिक के रूप में बड़ा हुआ, अंततः वह आधुनिक श्रीलंका में एक पुरातत्वविद् बन गया। उन्होंने कुछ समय आधुनिक श्रीलंका में बिताया। लेकिन अंततः उसने प्राचीन नीनवे में खुदाई शुरू कर दी।

और यह लड़का, 19वीं शताब्दी के मध्य में, यदि आपको व्याख्यान 1 में हमारी बातचीत याद है, तो यह गौरवशाली खजाने की खोज का समय था। तो यह आदमी सिर्फ खाइयाँ खोद रहा है, गड्डे खोद रहा है, वह बस बड़ी चीजें ढूँढ रहा है। और वह इसे बक्सों में रख रहा है, और वह इसे नदी में बहा रहा है, और वह इसे ब्रिटिश संग्रहालय में वापस भेज रहा है।

और इसलिए, वह इन विशाल मूर्तियों को ढूँढ रहा है, वह इन सोने के आवरणों को ढूँढ रहा है जो महलों को सजा रहे हैं, और वह इसे वापस बक्सों में रख रहा है। कुछ टोकरे नदी के तल में डूब रहे हैं और वे फिर कभी नहीं मिलेंगे। लेकिन इस आदमी का काम करने का तरीका यही है।

लेकिन इन बड़ी खोजों की तलाश की प्रक्रिया में, वह यह समझने के लिए भी काफी चतुर है कि, ओह, इन सभी गोलियों को देखो। उन पर किसी प्रकार का लेखन है। और यही वह समय है जब क्यूनिफॉर्म को समझा जा रहा है। तो लेयर्ड समझता है कि यहां कुछ संभावित महत्व है।

वह उन्हें बक्सों में रख रहा है और वह उन सभी को ब्रिटिश संग्रहालय में वापस भेज रहा है। तुरंत देखने के लिए नहीं, बल्कि ब्रिटिश संग्रहालय के तहखाने में एक बक्से में बैठने के लिए। हम इस तक बाद में पहुंचेंगे, लेकिन इस बड़ी मूर्ति को देखें।

ऑस्टिन हेनरी लेयर्ड मूलतः इसी बारे में थे। लेकिन वह वही व्यक्ति है जिसने कुछ खुदाई में इस कहानी के पहले अवशेष पाए। लेयर्ड अंततः होर्मुज रासिम को रास्ता देगा, और यही वह व्यक्ति है जो उसका उत्तराधिकारी बनेगा, और यह उसी प्रकार की चीजें होंगी।

रसीम बड़ी चीजों की तलाश करेगा, फिर से इन चीजों को खोजने की प्रक्रिया में, सिंहासन कक्ष की तलाश, मूर्तियों की तलाश, सोने के मुकुट की तलाश आदि। बस ऐसी चीजें जो आंखों को चौंका देने वाली हों, आदि। उन्हें अधिक से अधिक गोलियाँ मिलेंगी जो अंततः देखने के लिए ब्रिटिश संग्रहालय में वापस भेज दिया जाएगा।

यह सब जॉर्ज स्मिथ को रास्ता देगा। जॉर्ज स्मिथ, सभी खातों के अनुसार, एक आइवरी-टार अकादमिक थे। उनका व्यक्तित्व गीले कम्बल जैसा था, लेकिन वे प्रतिभाशाली थे।

अंततः उन्होंने खुद को अक्कादियन, क्यूनिफॉर्म सिखाया और उनके शुरुआती कार्यों का आज भी उल्लेख किया जाता है। वह एक प्रतिभाशाली व्यक्ति थे। लेकिन अंततः वह ब्रिटिश संग्रहालय के तहखाने में एक मरम्मतकर्ता के रूप में काम करता है, जो अनिवार्य रूप से सभी टूटी हुई गोलियों को एक साथ जोड़ने का काम करता है।

और जैसे ही वह इन्हें एक साथ रख रहा है, वह इन चीजों को देख रहा है। क्योंकि इस समय वह मूल रूप से अक्काडियन और क्यूनिफॉर्म में पारंगत है, और वह बस उन्हें देख रहा है, उन्हें देख रहा है, ठीक है, इसे एक साथ रखें, यह क्या कहता है? ठीक है, कुछ नहीं। लेकिन ऐसा करने की प्रक्रिया में, उसे टैबलेट मिल जाता है, और वह इस टैबलेट को पढ़ना शुरू कर देता है। यह बाइबिल की बाढ़ कथा की तरह ही भयानक लगता है।

और इसलिए, वह कुछ और पढ़ता है, वह उत्साहित हो रहा है, और फिर उसे एहसास होने लगता है कि उसके पास क्या है। उसने जिसे टैबलेट 11 कहा जाता है उसे ढूँढ लिया है, और यह उत्तानपिष्टिम की कहानी है जिसे मैंने कुछ मिनट पहले ही सुनाया था। उत्तानपिष्टिम गिलगमेश को देख रहा है, और यह उसकी कहानी है।

ठीक है, आप जानना चाहते हैं कि मैं अमर कैसे हो गया? इसी से जुड़ी है कहानी। इसमें बाढ़ भी शामिल थी। इसमें नाव शामिल थी।

इसमें मेरे द्वारा देवताओं को धोखा देना शामिल था। उन सभी प्रकार की चीजें। स्मिथ समझते हैं कि यह बाइबिल की बाढ़ कथा की तरह ही भयानक लगता है।

तो, वह अन्य टैबलेट के टुकड़ों को ढूँढना शुरू कर देता है जो इस बारे में बात कर रहे हैं, और वह कथा को उस बिंदु तक एक साथ रखना शुरू कर देता है जहां वह अंततः मूल रूप से हर किसी के लिए एक प्रस्तुति पेश करता है जो उसे सुनना चाहता है, यहां तक कि शाही गणमान्य व्यक्ति भी इस व्याख्यान में मौजूद हैं। और वह बाढ़ की कहानी का मेसोपोटामिया विवरण प्रस्तुत करता है। और वह मूल रूप से कहता है, देखो, दोस्तों, हमारे पास मेसोपोटामिया का एक वृत्तांत है जो बाइबिल के वृत्तांत जैसा ही लगता है।

हम इससे क्या करने जा रहे हैं? हमें यह समझने की जरूरत है। हमें इन ग्रंथों आदि के बीच संबंध को देखना शुरू करना होगा। वह तुरंत एक सेलिब्रिटी बन जाता है।

वह एक सेलिब्रिटी बन जाता है। और उसे अन्य उत्खनन शुरू करने के लिए टैग किया गया है। अब स्मिथ ऐसा नहीं करना चाहते।

स्मिथ पूरे दिन ब्रिटिश संग्रहालय के अपने तहखाने में बैठकर ग्रंथों को देखना चाहते हैं। वह मैदान से बाहर नहीं रहना चाहता। लेकिन जॉर्ज स्मिथ के पास कुछ ऐसा है जो किसी और के पास

नहीं है, और वह है किसी पाठ को देखने और उसका मूल्य या उसके लायक नहीं, यह किसी चीज़ के लायक है या क्या यह बिल्कुल बेकार है, यह समझने की उसकी क्षमता है।

वह ऐसा कर सकता है. और यही उसका मूल्य है. तो वह एक-दो उत्खनन, कुछ और उत्खनन का नेतृत्व करना शुरू करता है।

वह इस गिलगमेश महाकाव्य को टुकड़े-टुकड़े करके संकलित करना और एक साथ रखना शुरू करता है। और अंततः जॉर्ज स्मिथ की दुखद मृत्यु हो जाएगी, और इससे उनका कार्यकाल स्पष्ट रूप से समाप्त हो जाएगा। लेकिन इससे गिलगमेश महाकाव्य का संकलन नहीं रुकेगा।

ईमानदारी से कहें तो, गिलगमेश महाकाव्य आज भी जारी है। हम अभी भी टुकड़े ढूंढ रहे हैं। हम अभी भी इस महाकाव्य के पीछे के पाठ्य इतिहास को समझ रहे हैं, जिसके बारे में हम एक सेकंड में बात करेंगे।

हम अब भी इसे हर दिन और अधिक समझ रहे हैं। लेकिन यह मेसोपोटामिया में इन सभी प्रारंभिक उत्खननों से जुड़ा हुआ है, जिसकी शुरुआत लैयर्ड से हुई, फिर रसम तक, और फिर अंततः जॉर्ज स्मिथ तक। तो, आइए कुछ निहितार्थों पर नजर डालें।

आइए गिलगमेश महाकाव्य के कुछ निहितार्थों पर नजर डालें। मोटे तौर पर गिलगमेश महाकाव्य का महत्व तुलनात्मक है। पुराने नियम के कुछ तत्वों को समझने के लिए गिलगमेश महाकाव्य हमारे लिए एक शक्तिशाली तुलनात्मक उपकरण है।

यह हमें किसी विशिष्ट व्याख्यात्मक अंतर्दृष्टि, किसी परिच्छेद या उसके जैसी किसी चीज़ के बारे में बताने के लिए नहीं है। आप संभावित रूप से बाइबिल की बाढ़ कथा के लिए तर्क दे सकते हैं, लेकिन यह काफी हद तक तुलनात्मक रूप से मौजूद है। गिलगमेश महाकाव्य एक लंबा इतिहास, साहित्यिक विकास का एक लंबा और जटिल इतिहास प्रदर्शित करता है।

हमारे पास मौजूद सभी पाठ्य अंशों के आधार पर हम जानते हैं कि यह कहानी अलग-अलग कहानियों के रूप में शुरू हुई थी जिन्हें किसी बिंदु पर एक एकीकृत कथा बनाने के लिए एक साथ लाया गया था। और वह एकीकृत कथा स्पष्टीकरण, संपादन, परिशुद्धता आदि के बाद के चरणों से भी गुज़री। इसलिए, गिलगमेश महाकाव्य जो हमारे पास है वह साहित्यिक विकास की एक बहुत लंबी और जटिल प्रक्रिया का परिणाम है।

यह महत्वपूर्ण क्यों है क्योंकि यह हमें दिखाता है कि शास्त्रियों ने कैसे काम किया और कैसे लोगों ने एक एकीकृत कथा के तहत स्वतंत्र कथाओं को एक साथ लाया। यह हमें दिखाता है कि चीजों को कैसे संपादित किया गया, चीजों को कैसे संकलित किया गया, चीजों को कैसे स्पष्ट किया गया, आदि। यह हमें लिपि संबंधी परंपराओं और लिपि संबंधी प्रवृत्तियों के बारे में जानकारी देता है, जो सभी हमारे पुराने नियम की विहित प्रक्रिया को समझने के तरीके को प्रभावित करते हैं।

हमारे पास जो पुराना नियम है, राजाओं की पुस्तक, पेंटाटेच, ऐतिहासिक पुस्तकें, वे हमारे पास ऐसे ही नहीं आईं। मृत सागर के साक्ष्य, चाहे वह यिर्मयाह की अन्य परंपराएँ हों, चाहे वह डैनियल

के अन्य संस्करण हों, वे हमें साबित करते हैं कि हमारी बाइबिल में मौजूद ये पाठ परिभाषित करने में कठिन लेकिन स्पष्ट साहित्यिक विकास का परिणाम हैं। गिलगमेश महाकाव्य हमें उस बातचीत को सूचित करने वाले टुकड़ों को पहचानने और एक साथ रखने की अनुमति देता है।

विहित बातचीत, हमारी बाइबिल जैसी है वैसी कैसे बन गई, हमारा पुराना नियम वैसा कैसे हो गया, यह एक जटिल बात है। यह वह चीज़ है जो मांग करती है कि हम खर्च करें, सदियों से चली आ रही चीज़ों को देखें, सुराग खोजें और शास्त्रीय परंपराओं पर विचार करें। गिलगमेश महाकाव्य हमें एक समानांतर मॉडल प्रदान करता है जो हमें दिखाता है कि वह चीज़ कैसे काम करती है।

तो यह उसका एक प्रमुख महत्व है। गिलगमेश महाकाव्य भी इस तरह से स्पष्ट करता है कि बाइबिल प्राचीन निकट पूर्वी विश्वदृष्टिकोण को व्यक्त नहीं कर सकती। और जब हम प्राचीन निकट पूर्वी विश्वदृष्टिकोण को समझते हैं, कि उन्होंने पैथियन को कैसे देखा, उन्होंने देवताओं को कैसे देखा, उन्होंने देवताओं के साथ मानवता के संबंध को कैसे समझा, जब हम यह समझना शुरू करते हैं कि विशाल प्राचीन निकट पूर्वी परिवेश उन चीज़ों को कैसे देखता था, तो हम शुरू करते हैं बाइबिल के महत्व और धार्मिक क्षमता को समझने के लिए।

गिलगमेश महाकाव्य जैसे ग्रंथों द्वारा समझी गई बातों की तुलना में बाइबिल सर्वशक्तिमान ईश्वर के साथ मानवता के संबंध को उल्लेखनीय रूप से भिन्न तरीकों से समझती है। वैश्विक बाढ़ के बारे में बाइबिल की समझ कई मायनों में उल्लेखनीय रूप से भिन्न है। यह ऐसा ही है। वहाँ यह बुनियादी ढांचा है जो उल्लेखनीय रूप से समान है, लेकिन जब आप बाइबिल के विवरण के विवरण में आते हैं, तो जिस तरह से सर्वशक्तिमान ईश्वर हमेशा नियंत्रण में रहता है, वह ज्यादा कुछ नहीं कहता है, यह गिलगमेश महाकाव्य में देवताओं की तुलना में उल्लेखनीय रूप से भिन्न है जो अपना दिमाग खो रहे हैं।

बाइबिल में बाढ़ का विवरण हमें विशेष रूप से बताता है कि भगवान ने ऐसा क्यों करना चुना। गिलगमेश महाकाव्य उल्लेखनीय रूप से अस्पष्ट है और लगभग इसे बचकाने कारणों से युक्तिसंगत बनाता प्रतीत होता है, अगर हम बचकाने कारणों को भी युक्तिसंगत कह सकते हैं। इसलिए, इन प्राचीन ग्रंथों और गिलगमेश महाकाव्य के धार्मिक विश्वदृष्टिकोण को समझने से हमें काफी मदद मिलती है।

उन्होंने जीवन की अमरता की खोज आदि को कैसे समझा, इसका संबंध... मैंने अभी इस सब के बारे में बात की है। जब हम इसे समझते हैं, तो हम पवित्रशास्त्र के धर्मशास्त्र की धार्मिक क्षमता को और भी अधिक समझते हैं। फिर, यह एक तुलनात्मक उपकरण है जो उल्लेखनीय रूप से महत्वपूर्ण है।

याद रखें, इज़राइल एक विशेष संस्कृति थी जो एक विशेष समय में कार्य करती थी और चीज़ों पर चर्चा करने और करने का एक विशेष तरीका था। यदि हम इस विचार को गंभीरता से लेना चाहते हैं कि ईश्वर ने प्राचीन इज़राइल को अपने रहस्योद्घाटन को संप्रेषित करने के लिए मुख्य तंत्र के रूप में उपयोग किया था, तो हमें इस तरह के ग्रंथों को गंभीरता से लेना होगा क्योंकि वे हमें

दिखाते हैं कि हर कोई इसे कैसे कर रहा था। और जब आप समझते हैं कि हर कोई यह कैसे कर रहा था, तो आप इज़राइल के महत्व और मतभेदों को और अधिक स्पष्ट रूप से समझते हैं।

यह गिलगमेश महाकाव्य का एक बहुत ही महत्वपूर्ण निहितार्थ है। और यहीं मैं हमें छोड़ दूँगा। इस बिंदु पर, अपने अगले व्याख्यान में, हम कुछ विशिष्ट, संकीर्ण अभिसरणों को देखने जा रहे हैं।

लेकिन फिर, मारी और गिलगमेश पवित्रशास्त्र, पृष्ठभूमि सामग्री, सामाजिक सामग्री को प्रकाशित करने के बारे में बात कर रहे हैं जो पवित्रशास्त्र के लिए महत्वपूर्ण है, अप्रत्यक्ष माध्यमों से, व्यापक अभिसरण के माध्यम से।

यह डेविड बी. श्राइनर पॉन्डरिंग द स्पेट पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 2 है, मारी और गिलगमेश महाकाव्य, दो व्यापक अभिसरण।